अन्नानूर वार्तालाप – 284, ता. 30.3.07
Disc.CD No.284, dated 30.03.07 at Annanur

समय :– 5.22
जिज्ञासू :– बाबा , लास्ट टाईम में सभी आत्मायें बाबा से मिलेंगी ना।
बाबा :– सभी आत्मायें माना?
जिज्ञासू :– 500–600 करोड़।

Time: 5.22
Someone asked: Baba, all the souls will meet Baba in the end, won't they?
Baba asked: What do you mean by "all the souls"?
Someone said: 5-6 billion.

बाबा :– मिलने की भी रीति–भीति अलग2 होती है ना। कोई तो दृष्टि मात्र से ही मिलेंगे, कोई कानों से सुन कर के भी मिलेंगे, कोई अखबार में देख लेंगे। जैसे कोई कन्या कोई का चेहरा देख लेती है, चित्र देख लेती है और उसका बुद्धियोग जुड़ जाता है ऐसे ही मिलेंगे। कोई सभी इन्द्रियों से मिलेंगे, कोई परसेन्टटेज में किसी इन्द्रियों से मिलेंगे। (कोई) असंतुष्ट रह जावेंगे। अरे! पूरा नहीं मिले, पूरा नहीं देखा। तो 500 करोड़ की दुनियाँ है कोई टी.वी. में देखेगी, कोई बाप की आवाज रेडियों में कान से सुनेगी और कोई प्रत्यक्ष में मिलेंगे प्रैक्टिकल में। मिलने–.... वालों की अलग–अलग प्रकार की स्थिति है। तुम बच्चें डायरेक्ट बाप से मिलन मनाते हो। जिनको तुम कहा जाता है वह कौंन हैं? वो मिलने वालों में वो बच्चें हैं जिन्होंने पढ़ाई पढ़ी है पूरी।

Baba said: The method of meeting is also different, isn't it? Some will in fact meet only through vision (*drishti*); some will meet by listening through the ears as well; some will see (the picture) in the newspapers. For example, a virgin sees somebody's face or picture and her intellect gets connected with him. In the same way they will meet (the Supreme Soul). Some will meet through all the organs; some will meet through certain organs, in percentage. (Some) will remain unsatisfied. Arey! I did not meet completely, I did not see completely. So, there is a world of 500 crores; some will see (him) on TV, some will listen, to the Father's voice on radio, through the ears and some will meet directly, in practical. The circumstances of those who meet are different. You children meet the Father directly. Who are called 'you'? Those children who have studied the knowledge completely are included in those who meet (directly).

जिज्ञासू:– वो भट्टी करने वाला भी तो।
बाबा:– भट्ठी करने वाले तो चार लाख में हैं। इससे कम तो होंगे नहीं। आत्मायें तो 9 लाख भी होंगी, जो भट्ठी करेंगी। सोलह कला सम्पूर्ण बनते हैं। सोलह कला सम्पूर्ण बन जाये और बाप के बच्चे न बनें ये कैसे हो सकता है? बाप का बच्चा बने तो बाप के घर में जाकर के जन्म तो ले। बच्चा पैदा होता है, बाप का बनता है तो बाप के घर में जाना पड़ता है कि नहीं आत्माओं को कि आत्मा बाप के घर में गये बगैर बच्चा बन जाती? ये बात दूसरी है वो मिनी मधुबन बाप का घर है या महामधुबन बाप का घर है? घर है। भट्ठी तो करनी पड़ेगी नौ लाख आत्माओं को।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Someone asked: Even that person who does bhatti.
Baba: Those who do *bhatti* are four hundred thousand. They will not be less than that (number). Even the 9 hundred thousand souls will do *bhatti*. They become complete with 16 celestial degrees (16 *kalaa sampoorna*). Someone becomes complete with 16 celestial degrees and does not become a child of the Father; how can this be possible? If he becomes a child of the Father he should at least go and take birth at the Father's home. When a child is born, becomes the Father's child, then do the souls have to go to the Father's house or not? Or does a soul become a child without going to the Father's house? It is a different issue whether the Minimadhuban is the Father's home or is the Mahamadhuban the Father's home. It is a home. The Nine hundred souls will have to do *bhatti*.

समय : – 25.22
जिज्ञासू :– बाबा, जब मुरली में कभी–कभी बोलते हैं – ये तुम्हारा एक्स्ट्राऑर्डिनरी जन्म है और कभी बोलते हैं तुम्हारा ये स्वर्ग का आठ जन्म है ना उसमें से पहला जन्म है। नौ जन्म है जो स्वर्ग में ट्रान्सफर होते हैं नौ जन्म होता है तुम ट्रान्सफर होने वालों को। उसका ये पहला जन्म है तुम्हारा बताया है। फिर एक्स्ट्राऑर्डिनरी जन्म बोलते हैं फिर बोलते हैं तुम्हारे 63 जन्म के अनुसार ये तुम्हारा जन्म मिला है। तो मेरा प्रश्न ये हैं कि 63 जन्म जब द्वापर, कलियुग का होता है उसका अंत के बाद जो नया नौवा जन्म होना चाहिए पहला जन्म नौ का स्वर्ग का उसका पहला जन्म ये हैं क्या? जो ट्रांसफर होने से पहले हमें जो समय मिला हुआ है।

Time: 25.22
Someone asked: Baba, sometimes it is said in Murlis that - This is your extraordinary birth and sometimes it is said that this is the first among the eight births of the Golden Age. There are nine births for those who get transferred to heaven. You, who get transferred (to heaven), take nine births. It has been said that this is the first birth among those (births). Then it is said, the extraordinary birth. Then He says that, you have taken this birth according to the 63 births. So, my question is, when one takes 63 births in the Copper Age and the Iron Age; the new ninth birth which one should take after its end, i.e. the first among the nine births of heaven, is this , the time that we have received before getting transferred, the first birth among those (births)?

बाबाः– उदाहरण के लिए राम वाली आत्मा को देखो। राम वाली आत्मा का अन्तिम 84वाँ जन्म कब हुआ? जो 84वाँ है (उसको) एक्स्ट्राऑर्डिनरी नहीं कह सकते।
जिज्ञासूः– 42 से 47 तक।

Baba said: For example, look at the soul of Ram. When was the last 84th birth of the soul of Ram? The 84th (birth) cannot be called extraordinary.
Someone said: From 1942 to 47.

बाबा :– 42 तक। वो जो 84वाँ जन्म है, 63वाँ जन्म है; लेकिन एक्स्ट्राऑर्डिनरी जन्म नहीं है; लेकिन वही जन्म अभी 60 साल हुये (प्रजापिता) ब्रह्मा की 100 साल आयु पूरी नहीं हुई। वो दुबारा जन्म लेकर के फिर से सृष्टि पर आता है तो सन् 76 में उसकी 100 साल आयु पूरी हो गई और वो आत्मा अपने मुख्य पार्टधारी के रूप में रंग–मंच पर प्रत्यक्ष हो गई। तो जो प्रत्यक्षता हुई है उस समय कहेंगे एक्स्ट्राऑर्डिनरी जन्म। उससे पहले के जो सौ साल है उसे एक्स्ट्राऑर्डिनरी नहीं कहेंगे। जैसे दुनियाँ जीती है, रहती है, बोलती है, चालती है, ऐसे ही

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

उसका जीवन है। ऐसे ही हर ब्राह्मण के जीवन में ऐसा ही होगा। जैसा–जैसा (जैसे–जैसे) उसके 84 जन्मों में से जो मुख्य पार्ट है खुलता जावेगा, खुलने के बाद उसका वो एक्स्ट्राऑर्डिनरी जन्म कहा जावेगा।

Baba replied: Up until 1942. That 84th birth is the 63rd birth, but it is not an extraordinary birth. But in the same birth, now 60 years have passed, (Prajapita) Brahma's 100 years age has not been completed. He takes rebirth and comes to this world again. So, in 1976, he completed 100 years age and that soul got revealed as the main actor on the stage. So, when the revelation took place, it would be called extraordinary birth. The hundred years before that will not be called extraordinary. He too lives, talks and walks/moves like the world does. A similar thing will happen in every Brahmin's life. As the main part of the 84 births of a soul gets revealed, after that it will be called his extraordinary birth.

जिज्ञासू :– तो इस समय तो उसका ट्रान्सफर होने का पहला जन्म है।
बाबा :– हाँ जी । 21 वाँ जन्म जो जिसे कह रहे हैं।
जिज्ञासू :– 21 जन्मों में से पहला जन्म .....
बाबा :– 21 जन्मों में से पहला जन्म एक्स्ट्राऑर्डिनरी जन्म है। ऐसे भी नहीं कहेंगे 85 वाँ जन्म। माना है 84 वाँ; लेकिन उसमें नया जन्म जो है वो नई दुनियाँ का जुड़ा हुआ है। कंचन काया बन जायेगी तो एक्स्ट्राऑर्डिनरी है।

Someone said: So, at this moment it is the first birth of his transfer.
Baba said: Yes. It is the birth which is called 21st birth.
Someone said: The first birth among the 21 births.....
Baba said: It is the first, i.e. extraordinary birth among the 21 births. It will not even be called the 85th birth. It means that it is the 84th birth, but the new birth of the new world is connected with it. When the body becomes rejuvenated then it is the extraordinary (birth).

……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info